राधे रानी के चक्कर में | By Sanjay Agarwal

राधे रानी के चक्कर में श्याम जनाना बन गया रे
चूड़ी बेचन गया महल में अरे महंगा पद गया रे
राधे रानी के.....

साडी पहनी लेहंगा पहना धरा रे भेष लुगाई का
लम्बा लम्बा घूंघट काढ्या पूरा जंच गया रे
राधे रानी के.....

चूड़ी लेलो चूड़ी लेलो, गली में हल्लो मारे रे
चूड़ी पहरावन राधा जी के पीछे पड़ गया रे
राधे रानी के.....

हौले हौले पहरावे चूड़ी कस के हाथ दबाया रे
हाथ मरद का भेष जनाना खेल बिगड़ गया रे
राधे रानी के.....

ऐसा हाथ दबाया कस के पिट गया राधे रानी से
हुई पिटाई बनवारी और कपडा उतर गया रे
राधे रानी के.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%a7%e0%a5%87-%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a5%80-%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%9a%e0%a4%95%e0%a5%8d%e0%a4%95%e0%a4%b0-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-by-sanjay-agarwal/